जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 192
दिनांक 05.12.2022

माटी के स्वास्थ्य हेतु कृषि छात्र, वैज्ञानिक एवं किसान एक सेतु के रूप में करें कार्य– ब्रजेश अरजरिया

जनेकृविवि में विश्व मृदा दिवस समारोह का शानदार आयोजन

जबलपुर 05 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा से मृदा विज्ञान विभाग के जैव उर्वरक केन्द्र में, विश्व मृदा दिवस समारोह एवं कृषक संगोष्ठी आयोजित की गई। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय प्रमंण्डल सदस्य डॉ. ब्रजेश दत्त अरजरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी माता कही जाने वाली मृदा धीरे–धीरे मुर्दा होती जा रही है, इस ओर सभी को गहन, गंभीरता के साथ कार्य करना करना होगा। जिससे मृदा का संरक्षण–संवर्धन हो सके, माटी के स्वास्थ्य हेतु कृषि छात्र,वैज्ञानिक एवं किसान एक साथ मिलकर कार्य करें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व प्रगतिशील कृषक इंजी. श्री के. के. अग्रवाल ने कहा कि मृदा के मूलस्वरूप में बदलाव हम सबके लिये चिंता का विषय है। हमारे किसान भाई इस विषय पर ओर ध्यान दें, ताकि स्वस्थ्य मृदा से गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवायें व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. के. कौतू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारे छात्र–छात्रायें सही दिशा का चयन कर शोध कार्य करें, ताकि भविष्य की खाद्यान्न चुनौतियों का समाधान प्राप्त हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. पी. बी. शर्मा ने बताया कि खेती के कार्यो में पंचतत्वों का संतुलन बनाकर कार्य करेंगे तो बेहतर माटी का स्वास्थ्य होगा व उत्पादन भी गुणवत्ता से परिपूर्ण होगा। स्वागत उद्बोधन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एन.जी. मित्रा ने विश्व मृदा दिवस मनाने एवं थीम **"मिट्टी : जहॉ भोजन शुरू होता है"** विषय पर विस्तार से बताया एवं माटी के क्षेत्र में विभाग द्वारा किये जा रहे किसान हितैषी अनुसंधान कार्यो की जानकारी प्रदान की।

विश्व मृदा दिवस समारोह में जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र के उत्पाद जवाहर ट्राइकोडर्मा, जवाहर सुडोमोनास का किसानों की मांग पर, हिन्दी में तैयार किये गये फोल्डर का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही विश्व मृदा दिवस कार्यक्रम में सुदूर अंचलों से आये कृषकों को जवाहर ट्राइकोडर्मा व पी.एस.बी. जैव उर्वरक प्रदान किये गये। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि व भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी. के.के. अग्रवाल का शाल, श्रीफल रोली व फूलमाला एवं गुलदस्तों से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं आभार प्रदर्शन डॉ. पी. एस. कुल्हारे द्वारा किया गया। इस दौरान विभाग के डॉ. पी. एस. कुल्हारे, डॉ. एच. के. राय, डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. राकेश साहू, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. जी.एस. टैगोर, डॉ. फूलचंद्र अमूले, डॉ. अभिषेक शर्मा, श्री राजकुमार काछी आदि की उपस्थिति रही। साथ ही किसान व विभाग के स्नाकोत्तर व पी. एच.डी. के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में भी विश्व मृदा दिवस पर आयोजन

"मिट्टी : जहॉ भोजन शुरू होता है" के थीम पर आधारित विश्व मृदा दिवस 2022 का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आतिथि संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. डी.पी. शर्मा संचालक विस्तार सेवायें ने बदलते परिवेश में मृदा में आने वाली चुनौतियों के निराकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात कही। विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू ने भविष्य के चुनौतियों के अनुरूप अनुसंधान करने पर बल दिया तथा पुरानी पद्धतियों के संरक्षण पर बल दिया। डॉ. पी.बी. शर्मा अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर ने कहा की टिकाऊ खेती के लिए समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर मिट्टी के स्वास्थ में भी सुधार किया जा सकता है। डॉ. एन.जी. मित्रा विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान ने जैवउर्वरकों की उपयोगिता तथा मृदा स्वस्थ्य, डॉ. टी.आर. शर्मा प्रमुख वैज्ञानिक एवं डिप्टी रजिस्ट्रार उद्यानिकी फसलों में मृदा स्वास्थ्य पत्रक की उपयोगिता की जानकारी दी। इसी कड़ी में डी.डी.एम. नार्बड श्री अपूर्व गुप्ता, मृदा वैज्ञानिक डॉ. पी.एस. कुल्हाड़े, डॉ. एच.के. राय, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. बी.एस. द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये मृदा विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की है। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. डी.के. सिंह द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा आभार प्रदर्शन फसल वैज्ञानिक डॉ. नितिन सिंघई द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. निहारिका शुक्ला, पूजा चतुर्वेदी, डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. नेहा शर्मा सहित लोक कल्याण समिति की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर जबलपुर जिले के लगभग 90 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया।